



**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**





**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



**11-13 अप्रैल 2026**





**KVK**  
**RAISEN**

# कृषि महोत्सव 2026

(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)

11-13 अप्रैल 2026

**DKVAAS**  
**BHOPAL**





**KVK**  
**RAISEN**



**DKVAAS**  
**BHOPAL**



# उन्नत कृषि महोत्सव — 2026 —

(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्यप्रदेश



PUBLIC WORKS DEPARTMENT DIVISION RAISEN



डीकेवास-कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन (म.प्र.)

# बासमती धान

संयोजक एवं उत्पादकता

बासमती धान की शुरुआत वर्ष 1997 में रायसेन जिले में धान की शुष्कभूमि बरती तटवर्ती के किसानों ने वर्ष 1997 में 3800 हेक्टेयर से शुरूआत की। इस अवधि में धान की जाति, आई. आई. आर-36, आई.आई.आर-64 तथाया जिसमें धान का जोड़त उत्पादन 959 किग्रा/हे. प्राप्त किया। वर्ष 2007-08 से सुप्रसिद्ध धान पूसा बासमती-1, पूसा-1121 एवं पूसा-1460 किसानों को उपयुक्त बासमती धान का उत्पादन हेतु शुरू किया गया।

बासमती धान की प्रचलित किस्में

पूसा बासमती-1, पूसा-1121, पूसा-1509, पूसा-1637, पूसा-1718, पूसा-1692, पूसा-1847, पूसा-1728.

तकनीकी हस्तांतरण

समय	प्रकार	उत्पादकता
आई.आई.आर-36	उत्पादकता	3800 हेक्टेयर
आई.आई.आर-64	उत्पादकता	959 किग्रा/हे.
पूसा बासमती-1	उत्पादकता	25 किग्रा/हे. (सहभागी)

बासमती धान की प्रचलित किस्में

किस्म	उत्पादकता (किग्रा/हे.)
बासमती-1	6,500
पूसा-1121	1,750
पूसा-1509	2,500
पूसा-1637	3,600
पूसा-1718	1,900
पूसा-1692	2,000
पूसा-1847	1,300
पूसा-1728	19,550

तकनीकी हस्तांतरण

समय	प्रकार	उत्पादकता
आई.आई.आर-36	उत्पादकता	3800 हेक्टेयर
आई.आई.आर-64	उत्पादकता	959 किग्रा/हे.
पूसा बासमती-1	उत्पादकता	25 किग्रा/हे. (सहभागी)

बासमती धान की प्रचलित किस्में

समय	प्रकार	उत्पादकता
आई.आई.आर-36	उत्पादकता	3800 हेक्टेयर
आई.आई.आर-64	उत्पादकता	959 किग्रा/हे.
पूसा बासमती-1	उत्पादकता	25 किग्रा/हे. (सहभागी)

(म.प्र.)

तकनीकी बिन्दु

उन्नत उत्पादन तकनीक

- वीथमकालीन गहरी जुलाई।
- मिट्टी परीक्षण।
- बीजों का अक्षुण्ण परीक्षण।
- बुवाई पूर्व बीजों का बीजोपचार।
- बुवाई पूर्व बीजों का कठना उपचार।
- खारीक कसालों में 7-9 डेज चरबी का उपयोग।
- खारीक कसालों में 10-15 चरबी का उपयोग।
- धान की एक, आठ, आठ, चरबी।
- बुवाई स्वच्छता काई के आधारा पर नज्ज में खाद का उपयोग।
- खारीक खाद उपचारन तकनीक।
- इन्टी उन्नत उत्पादन तकनीक।
- आदक उन्नत उत्पादन तकनीक।
- ऐजोला उन्नत उत्पादन तकनीक।
- जीरो टिलेज तकनीक से।
- तटवर्ती उन्नत उत्पादन तकनीक।
- धमिया उन्नत उत्पादन तकनीक।
- एकीकृत उन्नत उत्पादन तकनीक।
- आदक उन्नत उत्पादन तकनीक।
- ऐजोला उन्नत उत्पादन तकनीक।
- जीरो टिलेज तकनीक से।

बासमती धान की प्रचलित किस्में

समय	प्रकार	उत्पादकता
आई.आई.आर-36	उत्पादकता	3800 हेक्टेयर
आई.आई.आर-64	उत्पादकता	959 किग्रा/हे.
पूसा बासमती-1	उत्पादकता	25 किग्रा/हे. (सहभागी)

बासमती धान की प्रचलित किस्में

समय	प्रकार	उत्पादकता
आई.आई.आर-36	उत्पादकता	3800 हेक्टेयर
आई.आई.आर-64	उत्पादकता	959 किग्रा/हे.
पूसा बासमती-1	उत्पादकता	25 किग्रा/हे. (सहभागी)



**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



# कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

**डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)**

## कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी बिन्दु

5 वर्षों में औसती आय (2015-16 के तुल्य चुसकाव पर)

1. खेती की प्रकृति में बदली

- खेती की प्रकृति में बदली
- खेती की प्रकृति में बदली
- खेती की प्रकृति में बदली

2. उपकरणों में वृद्धि

- उपकरणों में वृद्धि
- उपकरणों में वृद्धि
- उपकरणों में वृद्धि

3. उन्नत उत्पादन तकनीक

- उन्नत उत्पादन तकनीक
- उन्नत उत्पादन तकनीक
- उन्नत उत्पादन तकनीक

## बासमती धान

बासमती धान की प्रचलित किस्में

किस्म	उत्पादन (त/हे)	तकनीकी हस्तांतरण
बासमती-1	10-12	उन्नत तकनीक
बासमती-2	12-14	उन्नत तकनीक
बासमती-3	14-16	उन्नत तकनीक
बासमती-4	16-18	उन्नत तकनीक
बासमती-5	18-20	उन्नत तकनीक

## प्राकृतिक छेती

बायोमैट्रिक्स

बायोमैट्रिक्स

बायोमैट्रिक्स







**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**







**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



# डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

## बासमती धान

बासमती धान की प्रचलित किस्में		तकनीकी हस्तांतरण	
पूसा बासमती-1, पूसा-1121, पूसा-1508, पूसा-1637, पूसा-1718, पूसा-1882, पूसा-1847, पूसा-1728	बासमती धान की प्रचलित किस्में	कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन (म.प्र.)	कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन (म.प्र.)
बासमती धान की सीधी प्रजाति	बासमती धान की प्रचलित किस्में	कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन (म.प्र.)	कृषि विज्ञान केंद्र, रायसेन (म.प्र.)







**KVK**  
**RAISEN**

कृषि खेती

**बीजामृत**

1. देशी गाय का गोबर - 5 कि
2. देशी गाय का मूत्र - 5 लीटर
3. चूना - 250 ग्राम
4. पानी - 20 लीटर

**जीवामृत**

1. देशी गाय का गोबर - 5 कि
2. देशी गाय का मूत्र - 5 लीटर
3. चूना - 250 ग्राम
4. पानी - 20 लीटर

**नीमास्त्र**

1. देशी गाय का गोबर - 5 कि
2. देशी गाय का मूत्र - 5 लीटर
3. चूना - 250 ग्राम
4. पानी - 20 लीटर

रक्षा प्रबंधन (एम.के.एस. + रोटावेक्टर)

पुष्प सेट

कृषकों की आय में बढ़ि करणे हेतु

**5 वर्षों में दोगुनी आय (2015-16 के मुख्य सूचकांक पर)**

1. अनुसंधान परीक्षण।  
2. प्रशासनिक कार्य द्वारा उपचार।  
3. प्रशासनिक कार्य द्वारा उत्पादन।  
4. प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
5. प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
6. प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।

प्रशासनिक कार्य द्वारा उपचार।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा उत्पादन।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।

प्रशासनिक कार्य द्वारा उपचार।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा उत्पादन।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।  
प्रशासनिक कार्य द्वारा प्रशिक्षण।

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



CELEBRATING 25 YEARS  
DKVAAS







**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



# कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन (म.प्र.)

**प्राकृतिक छेती**

कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन (म.प्र.)

कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन (म.प्र.)

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

**कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी विन्दु**

1. खेती में जंगली जंतु  
2015-16 में कुल घुसकने वाले  
जंगली जंतु  
2. खेती में जंगली जंतु  
3. खेती में जंगली जंतु  
4. खेती में जंगली जंतु

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

**बासमती धान**

कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन (म.प्र.)





**KVK**  
**RAISEN**

**बीजामृत**

1. देशी गाय का गोबर - 5 किलोग्राम
2. देशी गाय का मूत्र - 5 लीटर
3. ... ग्राम

बीजामृत

सिद्धान्त

बंधन

धर्म की दिशा

पंगास

1. देशी
2. देशी
3. गुड
4. बंस

**नरवाई प्रबंधन**  
(पूसा डीकम्पोजर + रोटावेटर)

**रैज्ड बंड पद्धति**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



CELEBRATING 25 YEARS  
DKVAAS





**KVK  
RAISEN**



**DKVAAS  
BHOPAL**

CELEBRATING 35 YEARS

DKVAAS

# उन्नत कृषि महोत्सव — 2026 —

(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्य प्रदेश



## उन्नत कृषि महोत्सव — 2026 —

(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्य प्रदेश



**KVK**  
**RAISEN**

रायसेन, म



**उत्तम कृषि महोत्सव**  
**— 2026 —**  
(प्रदर्शनी एवं परिषद)  
दि 11-13 अप्रैल 2026

**DKVAAS**  
**BHOPAL**

CELEBRATING 25 YEARS

DKVAAS





**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**





**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



**उन्नत कृषि महोत्सव**  
**— 2026 —**

**(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)**

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्यप्रदेश



11-13 अप्रैल 2026  
दशहरा मैदान, रायसेन, मध्यप्रदेश



**उन्नत कृषि महोत्सव**  
**— 2026 —**

**(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)**

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्यप्रदेश



**उन्नत कृषि महोत्सव**  
**— 2026 —**

**(प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण)**

11-13 अप्रैल 2026

दशहरा मैदान, रायसेन, मध्यप्रदेश





**KVK**  
**RAISEN**

# कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



## डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

### कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी विन्दु

5 वर्षों में संयुक्त रूप से (2015-16 के कुछ सूचकांक पर)

- 1. जल की आवश्यकता को कम करना
- 2. जल को सुरक्षित रखना
- 3. जल को सुरक्षित रखना
- 4. जल को सुरक्षित रखना
- 5. जल को सुरक्षित रखना
- 6. जल को सुरक्षित रखना
- 7. जल को सुरक्षित रखना
- 8. जल को सुरक्षित रखना
- 9. जल को सुरक्षित रखना
- 10. जल को सुरक्षित रखना



### कालमती धान

वर्ष	उत्पत्ति (MT/ha)	जल उपयोग (mm)
2015-16	10.5	150
2016-17	11.2	145
2017-18	12.0	140
2018-19	12.8	135
2019-20	13.5	130





**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी विद्यु

1. गन्ना की खेप  
2. मूंग की खेप  
3. ज्वार की खेप  
4. बाजरा की खेप  
5. मक्का की खेप  
6. चने की खेप  
7. सोयाबीन की खेप  
8. धान की खेप  
9. जलसिंचन प्रणालियाँ  
10. फसल सुरक्षा  
11. कृषकों के कर्जों का निपटारा  
12. कृषकों के बच्चों के शिक्षण  
13. कृषकों के स्वास्थ्य सेवाएँ  
14. कृषकों के परिवारों के कल्याण

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)

कृषकों की आय

कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी विद्यु



कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

**डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)**

**प्राकृतिक खेती**



जीवमृत, धूपसा, प्राकृतिक खेती, आकषण, बीजमृत, खत, कीटनाशक, कीटाणुनाशक

प्राकृतिक खेती के सिद्धान्त-  
दोषी भाग

**डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)**

**कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी बिन्दु**

5 वर्षों में संपूर्ण आय (2015-16 के तुल्य कुलवर्षक आय)

1. कीटी की नियंत्रण में कमी
2. जलसंचयन में वृद्धि
3. खत प्रयोग पर न बुरे
4. कीटनाशक का प्रयोग
5. प्रकृतिक दवा का प्रयोग
6. प्रकृतिक बीज का प्रयोग
7. प्रकृतिक खेती का प्रयोग
8. प्रकृतिक खेती का प्रयोग
9. प्रकृतिक खेती का प्रयोग
10. प्रकृतिक खेती का प्रयोग

बड़े पशुओं में फ़ेब्रिलर का आणविक डायग्नोसिस

पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, महु

टांसकिवसेशन अर्सवली

नवाइ प्रबंधन (पुनः बीजमृत - रोकथाम)

रेज बोट पद्धति



कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन (म.प्र.)

कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी बिन्दु

क्र.सं.	विवरण
1	कीटी की नियंत्रण में कमी
2	जलसंचयन में वृद्धि
3	खत प्रयोग पर न बुरे
4	कीटनाशक का प्रयोग
5	प्रकृतिक दवा का प्रयोग
6	प्रकृतिक बीज का प्रयोग
7	प्रकृतिक खेती का प्रयोग
8	प्रकृतिक खेती का प्रयोग
9	प्रकृतिक खेती का प्रयोग
10	प्रकृतिक खेती का प्रयोग

राजना

कृषि



**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



कृषि विज्ञान केन्द्र रायसेन

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)  
कृषकों की आय में वृद्धि करने हेतु महत्वपूर्ण तकनीकी दिव्य

डीकेवास-कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)  
बासमती धान







**KVK**  
**RAISEN**

**DKVAAS**  
**BHOPAL**



Shot on OnePlus  
Powered by Triple Camera





